



amit



Versha

Model: Horoscope-Matching

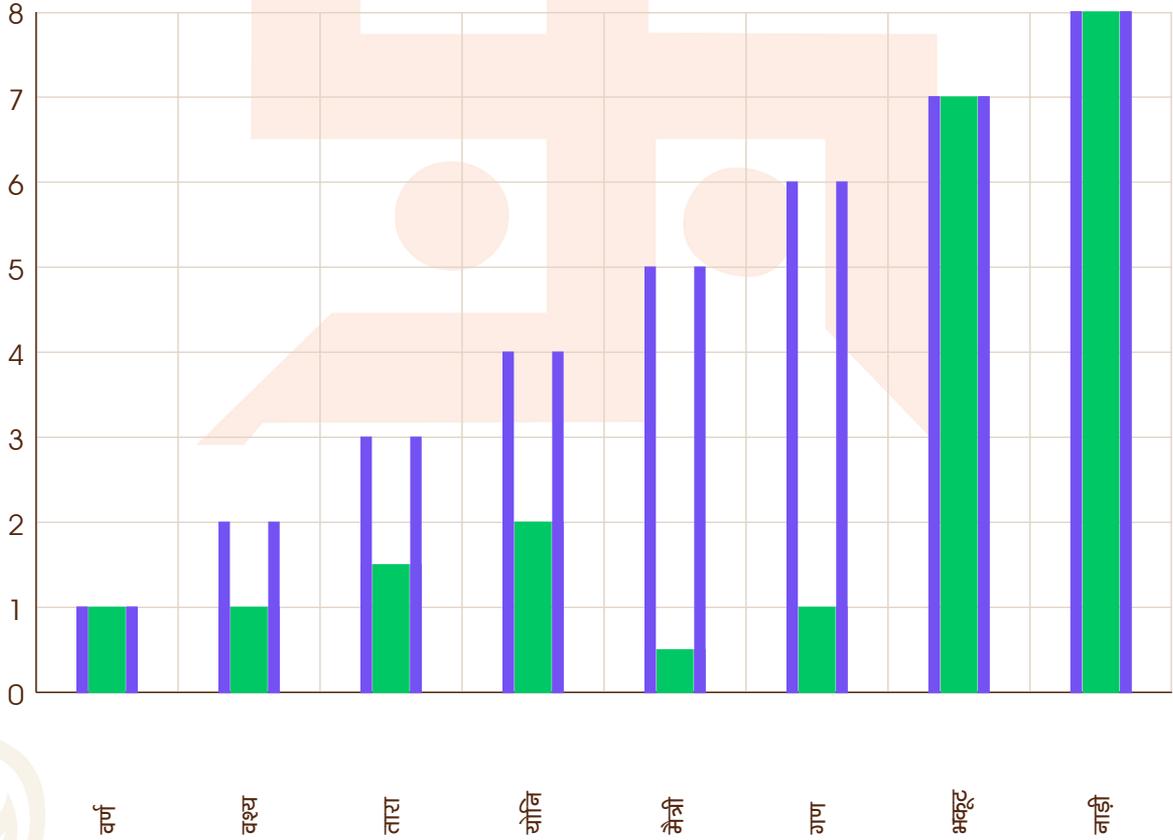
Order No: 121172801

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
16/04/1998 :	जन्म तिथि	: 22/12/1998
गुरुवार :	दिन	: मंगलवार
घंटे 17:20:00 :	जन्म समय	: 16:35:00 घंटे
घटी 28:32:56 :	जन्म समय(घटी)	: 23:08:15 घटी
India :	देश	: India
Hamirpur :	स्थान	: Hamirpur
31:38:00 उत्तर :	अक्षांश	: 31:38:00 उत्तर
76:36:00 पूर्व :	रेखांश	: 76:36:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:36 :	स्थानिक संस्कार	: -00:23:36 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
05:54:49 :	सूर्योदय	: 07:19:41
18:52:42 :	सूर्यास्त	: 17:24:32
23:49:52 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:50:24
कन्या :	लग्न	: वृष
बुध :	लग्न लग्नाधिपति	: शुक्र
वृश्चिक :	राशि	: मकर
मंगल :	राशि-स्वामी	: शनि
ज्येष्ठा :	नक्षत्र	: श्रवण
बुध :	नक्षत्र स्वामी	: चन्द्र
2 :	चरण	: 3
वरियान :	योग	: हर्षण
कौलव :	करण	: वणिज
या-यतीन्द्र :	जन्म नामाक्षर	: खे-खेमा
मेष :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मकर
विप्र :	वर्ण	: वैश्य
कीटक :	वश्य	: जलचर
मृग :	योनि	: वानर
राक्षस :	गण	: देव
आद्य :	नाड़ी	: अन्त्य
मृग :	वर्ग	: मार्जार

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाडी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.00		

कुल : 22 / 36



अष्टकूट मिलान

उपज का वर्ग मृग है तथा टमर्तो का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार उपज और टमर्तो का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

उपज मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

टमर्तो मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

**त्रिषट् एकादशे राहु त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु टमर्तो की कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

उपज तथा टमर्तो में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

उपज का वर्ण ब्राह्मण तथा टमर्ती का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। टमर्ती सदैव अपने पति तथा घर में बड़ों का सम्मान करेगी तथा उनकी आज्ञा का पालन करती रहेगी। टमर्ती मितव्ययी होंगी तथा बचत करके पैसे को लाभदायक उपादानों में निवेश करती रहेगी।

वश्य

उपज का वश्य कीट है एवं टमर्ती का वश्य जलचर है। जिसके कारण यह मिलान औसत मिलान है। जलचर एवं कीट आपस में न तो मित्र होते हैं और न ही शत्रु। अतः कीट उपज एवं जलचर टमर्ती के बीच वैवाहिक संबंध उदासीनता तथा प्रेम एवं सौहार्द का अभाव बना रहेगा। जिसके कारण इनका जीवन नीरस हो सकता है। अधिकांश समय दोनों समझौता करके तालमेल बनाने में व्यतीत करेंगे किंतु इंक मारना कीट का नैसर्गिक स्वभाव होता है अतः उपज यदा-कदा अस्वाभाविक व्यवहार कर सकता है जिससे टमर्ती शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक रूप से आहत हो सकती है।

तारा

उपज की तारा साधक तथा टमर्ती की तारा प्रत्यरि है। टमर्ती की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। संभाव है कि यह विवाह उपज एवं उसके परिवार के लिए हानिकारक साबित हो। टमर्ती का स्वभाव बिल्कुल लापरवाह, स्वार्थी एवं असहयोग की भावना वाली हो सकती है तथा भविष्य में अपने स्वार्थ की पूर्ति करने में ही लगी रह सकती है। साथ ही टमर्ती के अवैध संबंध तक भी हो सकते हैं जिसके फलस्वरूप पति, बच्चों एवं संपूर्ण परिवार को काफी कष्ट एवं पीड़ा का सामना कर पड़ सकता है। उपज अत्यधिक आध्यात्मिक हो सकता है तथा अपना अधिकांश समय आध्यात्मिक गतिविधियों में ही व्यतीत करता रहेगा।

योनि

उपज की योनि मृग है तथा टमर्ती की योनि वानर है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात् सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में

दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात् मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात् धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में 'उपज' का राशि स्वामी टमर्ती के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि टमर्ती का राशि स्वामी 'उपज' के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

'उपज' का गण राक्षस तथा टमर्ती का गण देव है। अर्थात् टमर्ती का गण 'उपज' के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण 'उपज' निर्दयी, कठोर, निष्ठुर एवं झगड़ालू हो सकते हैं। साथ ही 'उपज' का टमर्ती के साथ क्रूर व्यवहार करने की संभावना बनी रह सकती है। पति-पत्नी, अक्सर कुत्ते-बिल्लियों की भांति झगड़ा कर सकते हैं एवं परिवार में अक्सर अशांति का माहौल बना रहेगा। टमर्ती हमेशा हर कदम पर समझौता करने की कोशिश करती रहेगी ताकि दोनों का संबंध बना रहे।

भकूट

'उपज' से टमर्ती की राशि तृतीय भाव में स्थित है तथा टमर्ती से 'उपज' की राशि एकादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण 'उपज' अति महत्वाकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा अच्छा कमाने वाले होंगे। दूसरी ओर टमर्ती सद्गुणी, परिश्रमी, सहयोगी एवं दयालु होंगी तथा अपने पति की हर क्षेत्र में हर संभव सहायता करेंगी। दोनों के बीच मधुर तालमेल, एक-दूसरे की अच्छी समझ होगी। ऐसा प्रतीत होता है कि

जैसे दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों।

नाड़ी

उपज की नाड़ी आद्य है तथा टमर्तों की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान में शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ का संतुलन होता है। उपज की आद्य नाड़ी तथा टमर्तों की अन्त्य नाड़ी अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ एवं मजबूत शरीर, दम्पत्ति के आपसी प्रेम एवं समझदारी की द्योतक हैं। जिसके कारण आपकी संतान स्वस्थ, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।



मेलापक फलित

स्वभाव

उपज की जन्म राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक राशि तथा टमर्ती की पृथ्वी तत्व युक्त मकर राशि है। जल एवं पृथ्वी तत्व में समानता के कारण उपज और टमर्ती के मध्य स्वाभाविक समानताएं विद्यमान रहेंगी फलतः इनका वैवाहिक जीवन सुखी रहेगा।

उपज की जन्म राशि का स्वामी मंगल तथा टमर्ती की राशि का स्वामी शनि परस्पर शत्रु एवं समराशि में स्थित है। सुखी वैवाहिक जीवन के लिए यह स्थिति विशेष अनुकूल नहीं रहेगी। इसके प्रभाव से उपज और टमर्ती एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे परस्पर संबंधों में तनाव तथा कटुता में वृद्धि होगी। साथ ही एक दूसरे के प्रति श्रेष्ठता एवं आलोचनात्मक दृष्टि कोण भी रहेगा। अतः यदि उपज और टमर्ती परस्पर सामंजस्य की प्रवृत्ति से व्यवहार करें तो इसमें किंचित शुभता आ सकती है।

उपज एवं टमर्ती की राशियां परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके शुभ प्रभाव से उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा एक दूसरे के प्रति मन में प्रेम स्नेह तथा समर्पण के भाव की उत्पत्ति होगी जिससे संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सुख एवं सहयोग प्रदान करेंगे। अतः उपज और टमर्ती का वैवाहिक जीवन सुख एवं शांति पूर्वक व्यतीत होगा।

उपज का वश्य कीट तथा टमर्ती का वश्य जलचर है। कीट एवं जलचर के मध्य नैसर्गिक समता होने के कारण उपज और टमर्ती की अभिरुचियां समान होंगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताओं में भी समता रहेगी। अतः दाम्पत्य संबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ होंगे।

उपज का वर्ण ब्राह्मण तथा टमर्ती का वर्ण वैश्य है। अतः इनकी कार्य क्षमताएं समान होंगी। उपज की प्रवृत्ति शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्य कलापों के प्रति रहेगी तथा टमर्ती धनार्जन संबन्धी कार्यों में रुचिशील होंगी। फलतः इनका कार्य क्षेत्र सुदृढ़ता से युक्त रहेगा।

धन

उपज और टमर्ती की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। उपज और टमर्ती की राशि तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उनकी आय में नित्य वृद्धि होगी जिससे अर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का प्रभाव भी सम रहेगा। अतः धनार्जन होता रहेगा।

टमर्ती एक सौभाग्यशाली महिला होंगी अतः उन्हें अचानक धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना होगी। यह लाटरी या सटटे या किसी अन्य माध्यम से हो सकता है। साथ ही पैतृक सम्पत्ति या जायदाद भी उनको मिलेगी जिससे दम्पति धन एवं ऐश्वर्य से युक्त रहकर अपना

जीवन व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

उपज की नाड़ी आद्य तथा टमर्ती की नाड़ी अन्त्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में उत्पन्न होने के कारण इन पर नाड़ी दोष का प्रभाव नहीं रहेगा जिससे किसी गंभीर समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा परन्तु मंगल का टमर्ती के स्वास्थ्य पर अशुभ प्रभाव होगा जिससे उनको गर्भपात संबंधी परेशानी की संभावना होगी तथा धातु संबंधी रोगों से भी यदा कदा कष्ट की प्राप्ति होगी। साथ ही मासिक धर्म संबंधी परेशानी का भी यदा कदा सामना करना पड़ेगा। अतः मंगल के इस दुष्प्रभाव को कम करने के लिए टमर्ती को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से उपज और टमर्ती का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त उपज और टमर्ती के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में टमर्ती के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन टमर्ती को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में टमर्ती को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से उपज और टमर्ती सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार उपज और टमर्ती का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

टमर्ती के अपनी सास से सामान्यतया अच्छे संबंध रहेंगे परन्तु यदा कदा उनके मध्य अनावश्यक मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होंगे परन्तु परस्पर सामंजस्य के द्वारा उनका समाधान हो जाएगा तथा इससे विशेष कठिनाई नहीं होगी। साथ ही टमर्ती सास से अपनी माता के समान व्यवहार करेंगी तथा इसी प्रकार उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का ध्यान रखेंगी।

लेकिन ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में टमर्ती को काफी परेशानी तथा असुविधा का सामना करना पड़ेगा। यदि टमर्ती धैर्य, गंभीरता तथा सामंजस्य का उनके प्रति प्रदर्शन करेंगी तो उनसे किंचित मात्रा में सहानुभूति प्राप्त हो सकती है। देवर एवं ननदों से

ढढतीं के संबधों में मधुरता का अभाव रहेगा तथा परस्पर ईर्ष्या तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव रहेगा। इस प्रकार सामंजस्य एवं बुद्धिमता से ही ढढतीं ससुराल में अनुकूल वातावरण प्राप्त कर सकती है।

ससुराल-श्री

उपज की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर उपज सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन उपज ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का उपज के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।